ई-संस्करण, अंक 33

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

प्यारे साथियों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि सभी बच्चों के स्कूल अभी भी बंद हैं और सब अपने–अपने घर पर ही हैं। हमने सोचा कि हमारे साथियों को अपने गपशप का इन्तज़ार होगा, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं गपशप का नया अंक। जिसमें हम सब जानेंगे कोरोना के समय में अपने समय का सदुपयोग कैसे करें और इंटरनेट पर ऑनलाइन पढ़ाई करते वक्त किन बातों का ध्यान रखें। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

वर्षा ने ठानी, पढ़ाई न छूटे

चित्र स्त्रोतः यूनीसेफ

कभी बेटियों को स्कूल भेजने से कतराने वाले अब उनके पास होने पर मिठाई बाँट रहे हैं। जहाँ कभी एक भी लड़की आठवीं से आगे नहीं पढ़ी थी वहीं आज बहुत सारी लड़कियाँ 10वीं और 12वीं पास कर चुकी हैं। यह बदलाव किसी सरकारी सिस्टम से नहीं बल्कि गाँव की ही एक बेटी वर्षा के संकल्प से हुआ है। हम बात कर रहे हैं इंदौर से 20 किमी दूर सांवेर तहसील के गांव मावलाखेड़ी की।

बदतर हालात से जूझकर वर्ष 2010 में पहली बार एक लड़की वर्षा वर्मा 10वीं पास हुई। वह बताती है कि आठवीं तक तो गाँव में स्कूल होने से पढ़ाई हो गई लेकिन हाई स्कूल 4 किमी दूर था। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमज़ोर थी तो पढ़ने के लिए मना कर दिया था। उसने माता–पिता को विश्वास दिलाया कि खूब मेहनत करेगी। रोज़ 4 किमी जंगल के रास्ते स्कूल आना–जाना करती थी। बारिश के दिनों में सहेली के घर बस्ता रखना पड़ता था। 10वीं पास करने के बाद गाँव में काफी सम्मान मिला। वह अब गाँव की सभी लड़कियों के लिए आदर्श बन चुकी थी। इस संघर्ष को वर्षा ने अभियान में बदल दिया।

फिलहाल वह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बन चुकी है। गाँव वाले उसे सबसे ज़्यादा पढ़ा–लिखा मानकर इज्ज़त भी करते हैं। उसका एक ही लक्ष्य है कि किसी भी लड़की की पढ़ाई न छूटे। हर लड़की आत्मनिर्भर बने ताकि भविष्य में उसे कोई परेशानी न झेलनी पड़े। जब वह किसी के घर जाकर बेटी को पढ़ाने के लिए हाथ जोड़ती है तो माता–पिता भी उसकी बात टाल नहीं पाते।

हर क़दम बेटी के संग

वर्तमान में कोरोना संक्रमण के कारण सभी स्कूल बंद है। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित हुई है। फिर भी इस संकटकाल में सरकार द्वारा सभी बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराने की कोशिश हो रही है। बालिकाओं की पढ़ाई हमेशा जारी रहे इस उद्देश्य के साथ शिक्षा विभाग और रूम टू रीड के सहयोग से राष्ट्रीय बालिका शिक्षा अभियान– हर क़दम बेटी के संग चलाया जा रहा है। आपको इस आपदा की घड़ी को अवसर में बदलना होगा और निरन्तर शिक्षा से जुड़े रहना होगा और कुछ ज़िम्मेदारीयाँ निभानी होंगी। जैसे –

शिक्षा को प्राथमिकता	सामाजिक सुरक्षा	स्वास्थ्य और पोषण
प्रतिदिन अध्ययन के लिए समय ज़रूर निकालें।	यौन/घरेलू हिंसा के बारे में सर्तक रहें।	नियमित और पौष्टिक भोजन करें।
पढ़ाई बंद न करें।	शादी के प्रस्ताव को रोकें।	तनाव और चिंता के संकेतो के लिए सचेत रहें।
परिवार के निर्णयों में भाग लें।	उत्पीड़न के बारे में बात करें।	यदि कोविड के लक्षण हैं तो समय रहते परामर्श करें।
स्कूल खुलने पर फिर से दाख़िला लें।	एक दूसरे का समर्थन करने के लिए समूह बनाएं।	